दिनांक 23/02/2018 को नाबार्ड (NABARD) के अधिकारियों का आफरी भ्रमण

नाबार्ड (NABARD) के 29 अधिकारियों (जिला प्रबंधक) के दल ने मुख्य महाप्रबंधक श्री ए.के. सिंह, महाप्रबंधक श्री आर.के. थानवी एवं महाप्रबंधक श्री ए.के. बत्रा के नेतृत्व में दिनांक-23/02/2018 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण कर शोध गतिविधियों की जानकारी ली।

भ्रमण के प्रारम्भ में संस्थान के निदेशक डॉ. आई.डी. आर्य ने भ्रमण का क्या कार्यक्रम रहेगा, इसकी जानकारी दी। मुख्य महाप्रबंधक श्री ए. के. सिंह ने बताया कि, संस्थान के शोधपरख ज्ञान के एक्सपोजर से संसाधनों को कैसे उपयोग कर सकते हैं , इसकी जानकारी मिलती है , जिससे जलग्रहण क्षेत्र विकास कार्यक्रम जैसे अन्य कार्यक्रमों में मदद मिल सकती है।

डॉ. आई. डी. आर्य ने पॉवर पोइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान के अनुसंधान का संक्षिप्त विवरण (Overview of research of AFRI) प्रस्तुत किया। डॉ. आर्य ने अपने प्रस्तुतीकरण में संस्थान के मेन्डेट, रिसर्च फोकस, विभिन्न प्रभागों (वन अनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन, वन पारिस्थितिकी, वन संवर्धन, वन संरक्षण एवं अकाष्ठ वनोपज) द्वारा किये जा रहे अनुसंधान के विषयों की जानकारी दी। डॉ. आर्य ने अनुसंधान विशिष्टताओं (Research highlights), सतही वनस्पति द्वारा टिब्बा स्थिरीकरण, पौधों की स्थापना एवं वृद्धि हेतु मृदा एवं जल संरक्षण, अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन, शुष्क क्षेत्रों के लिए कृषि वानिकी मॉडल का विकास, एग्रीसिल्वी एवं सिल्वीपाश्चर मॉडल, लवणीय भूमि का पुनर्स्थापन, जल प्लावित भूमि का पुनर्स्थापन, राजस्थान की वन मृदा का वर्गीकरण, कार्बन स्टॉक एवं मृदा वर्गीकरण के नक्शे तैयार करना (carbon stock & soil classification mapping) देव-वनों में जैवविविधता (Biological diversity in sacred groves), पौधारोपण सामग्री का सुधार (planting stock improvement), नीम एवं अरडू के लिए सुधार कार्य (improvement work on Neem & Ardu), रोहिड़ा एवं मलाबार नीम के लिए सुधार कार्य , गुग्गल का संवर्धन एवं उत्पादन, विकसित कायिक प्रवर्धन विधियाँ (developed vegetative propagation protocols), उत्तक संवर्धन विधियां (Tissue culture protocol), संकटापन्न औषधीय पादप गुग्गल के लिए उत्तक संवर्धन विधियां (Tissue culture protocols for endangered medicinal plant *Commiphora wightii* - Guggal), कैर का सूक्ष्म प्रवर्धन (Micropropagation of *Capparis decidua*), अनुसंधान प्रकाशन/प्रशिक्षण/सम्मेलनों का विवरण (Details of Research publication/Training/conferences) विकसित तकनीकों इत्यादि के बारे में जानकारी नाबार्ड के अधिकारियों को कराई।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.जी.सिंह ने "टिब्बा स्थिरीकरण" विषय पर अपने प्रस्तुतीकरण में रेगिस्तानी पारिस्थितिकी एवं प्रजातियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी ने अपने प्रस्तुतीकरण में संस्थान द्वारा की जाने वाली विस्तार गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया। श्री चौधरी ने अपने प्रस्तुतीकरण में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान द्वारा नाबार्ड (NABARD) प्रायोजित विभिन्न मेलों एवं कार्यक्रमों में भागीदारी तथा नाबार्ड (NABARD) के अधिकारियों एवं नाबार्ड (NABARD) प्रायोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत कृषकों के आफरी भ्रमण की जानकारी दी।

संस्थान के सेमीनार हॉल में आयोजित इस सत्र में परस्पर संवाद के माध्यम से भ्रमणार्थी दल के सदस्यों की जिज्ञासा का भी समाधान किया गया। उक्त कार्यक्रम/सत्र में संस्थान के वैज्ञानिक श्री एन.बाला एवं उप वन संरक्षक श्री रमेश मालपानी भी उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक श्री आर.के थानवी ने नाबार्ड (NABARD) के किसान क्लब कार्यक्रम का जिक्र किया। श्री थानवी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की जलवायु साक्षरता (Climate change की climate literacy) से संबंधित जागरुकता फैलाने की आवश्यकता है। श्री थानवी ने अनुप्रयुक्त शोध (Applied Research) के लिए, बैंक आधारित ऋण, बैंकिंग योजना इत्यादि की भी चर्चा की।

दल ने संस्थान के निर्वचन एवं विस्तार केन्द्र का भ्रमण कर वहां प्रदर्शित वानिकी शोध संबंधी विभिन्न सूचनाओं एवं वानिकी उत्पाद जैसी सामग्री का भी अवलोकन किया। निर्वचन केन्द्र पर श्री उमाराम चौधरी ने अवक्रमित पहाड़ियों के पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन, लवणीय भूमि का पुनर्वासन, कृषि वानिकी मॉडल्स, चारागाह विकास इत्यादि सहित वहां प्रदर्शित विभिन्न अनुसंधान जानकारियां उपलब्ध करवायी।श्री चौधरी ने वृक्षों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों की जानकारी तथा पर्यावरण के संदर्भ में इनकी महत्ता बतायी तथा पर्यावरण संरक्षण एवं पोलीथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की।

भ्रमणकारी द्ल ने संस्थान की उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर नर्सरी संबंधी विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली। अधिकारियों को बेड, कंटेनर, रूट ट्रेनर, कंपोस्टिंग, धुंध कक्ष इत्यादि पहलुओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने औषधीय पौधों के जर्म प्लाज्म बैंक का भ्रमण कर विभिन्न औषधीय पौधों की जानकारी प्राप्त की। नर्सरी भ्रमण के दौरान श्री उमाराम चौधरी ने विभिन्न नर्सरी प्रक्रियाओं, औषधीय पादप, वृक्ष प्रजाति इत्यादि की जानकारी दी। श्री रमेश मालपानी उप-वन संरक्षक ने नर्सरी प्रक्रियाओं, चंदन के पौधों इत्यादि की जानकारी दी । श्री मालपानी ने अधिकारियों की वानिकी से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। नर्सरी प्रभारी श्री सादुल राम देवड़ा ने नर्सरी भ्रमण के दौरान नर्सरी संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं से अवगत कराया।

भ्रमण कार्यक्रम में श्री धाना राम तकनीकी अधिकारी एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

PUBLICATIONS

PUBLICATIONS
DOMINANT FOREST
TYPES OF RAJASTHAN

DEGRADED HILL (2005)
PREPARATION OF SITE

DEGRADED HILL (2005)
PREPARATION OF SITE
WATER HARVESTING STRUCTURES
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर

विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र